NEWS CLIPPING:18.05.2023

AAJ SAMAJ

जेसी बोस विश्वविद्यालय के दो संकाय सदस्यों को शोध के लिए सीईआरबी ग्रांट

■ स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत मिली ग्रांट

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के दो फैकल्टी सदस्यों का चयन स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस फेलोशिप (एसईआरबी-एसयूआरई) 2023 के लिए हुआ है। स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अंतर्गत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) की एक नई अभिनव योजना है, जिसका उद्देश्य युवा शोधकताओं को अनुसंधान के आधुनिक क्षेत्रों में शोध के लिए प्रोत्साहित करना है।

विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित राजपूत और गणित विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्पिता चटर्जी को उनकी शोध परियोजना प्रस्तावों के लिए क्रमश 30 लाख रुपये और 29 लाख रुपये का अनुदान मिला है।

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार गर्ग ने शोध अनुदान के लिए चयन पर संकाय सदस्यों को बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि अनुसंधान को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है तथा विश्वविद्यालय में अनुसंधान सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए गये हैं।

डॉ. अमित राजपूत व डॉ. अर्पिता चटर्जी। आज समाज

उल्लेखनीय है कि स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना की शुरूआत राज्य और निजी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है।

योजना के अंतर्गत अनुसंधान क्षमताओं को संरचित तरीके से बढ़ावा देना तथा शिक्षण संस्थानों में मजबूत आरएंडडी इकोसिस्टम विकसित करना है।

NEWS CLIPPING:18.05.2023

PUNJAB KESARI

जेसी बोस वि.वि के 2 संकाय सदस्यों को शोध के लिए सीईआरबी ग्रांट

स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत मिली ग्रांट

फरीदाबाद, 17 मई (पूजा): जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के दो फैकल्टी सदस्यों का चयन स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस फेलोशिप (एसईआरबी-एसयूआरई) 2023 के लिए हुआ है। स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अंतर्गत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) की एक नई अभिनव योजना है, जिसका उद्देश्य युवा शोधकर्ताओं को अनुसंधान के आधुनिक क्षेत्रों में शोध के लिए प्रोत्साहित करना है।

विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित राजपूत और गणित विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्पिता चटर्जी को उनकी शोध परियोजना प्रस्तावों के लिए क्रमशः 30 लाख रुपये और 29 लाख रुपये का अनुदान मिला है। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार गर्ग ने शोध अनुदान के लिए चयन पर संकाय सदस्यों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि अनुसंधान को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है तथा विश्वविद्यालय में अनुसंधान सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं।

डॉ. अमित राजपूत

डॉ. अर्पिता चटर्जी

उल्लेखनीय है कि स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना की शुरूआत राज्य और निजी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है।

NEWS CLIPPING:18.05.2023

TEHELKA JAZBA

जेसी बोस विश्वविद्यालय के दो संकाय सदस्यों को शोध के लिए मिली सीईआरबी ग्रांट

तहलका जज्बा / दीपा राणा

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के दो फैकल्टी सदस्यों का चयन स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस फेलोशिप (एसईआरबी-एसयूआरई) 2023 के लिए हुआ है। स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अंतर्गत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) की एक नई अभिनव योजना है, जिसका उद्देश्य युवा शोधकर्ताओं को अनुसंधान के आधुनिक क्षेत्रों में शोध के लिए प्रोत्साहित करना है। विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित राजपूत और गणित विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्पिता चटर्जी को उनकी शोध परियोजना प्रस्तावों के लिए क्रमशः 30 लाख रुपये और 29 लाख रुपये का अनुदान मिला है।

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार गर्ग ने शोध अनुदान के लिए चयन पर संकाय सदस्यों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि अनुसंधान को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है तथा विश्वविद्यालय में अनुसंधान सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए गये है। उल्लेखनीय है कि स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना की शुरुआत राज्य और निजी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। योजना के अंतर्गत अनुसंधान क्षमताओं को संरचित तरीके से बढ़ावा देना तथा शिक्षण संस्थानों में मजबूत आरएंडडी इकोसिस्टम विकसित करना है।